भारत सरकार

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय

राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 2480
दिनांक 10.08.2026 को उत्तर के लिए नियत

एमएसएमई चैंपियंस योजना

2480. **श्रीमती संगीता यादवः**

क्या **सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने एमएसएमई चैंपियंस योजना के कार्यान्वयन का कोई मूल्यांकन किया है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) एमएसएमई में 'जीरो डिफेक्ट जीरो इफेक्ट' (ज़ेडईडी) प्रमाणन, लीन विनिर्माण और नवाचार को बढ़ावा देने में इस योजना के अंतर्गत क्या प्रगति हुई है;

(घ) क्या योजना के विभिन्न घटकों के तहत एमएसएमई की भागीदारी बढ़ाने के लिए कोई उपाय किए गए हैं;

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(च) एमएसएमई की उत्पादकता, प्रतिस्पर्धात्मकता और गुणवत्ता मानकों में सुधार पर इस योजना का क्या प्रभाव देखा गया है?

उत्तर

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम राज्य मंत्री

(सुश्री शोभा करांदलाजे)

(क) और (ख): मंत्रालय ने वर्ष 2025-26 के दौरान भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) - सिरमौर के माध्यम से एमएसएमई चैंपियंस स्कीम का तृतीय-पक्ष मूल्यांकन कराया। इस अध्ययन में एमएसएमई सतत(जेड) प्रमाणन स्कीम, एमएसएमई प्रतिस्पर्धी (लीन) स्कीम तथा एमएसएमई नवाचारी स्कीम (इन्क्यूबेशन, डिज़ाइन एवं आईपीआर घटक) को शामिल करते हुए स्कीम के कार्यान्वयन का आकलन किया गया। रिपोर्ट दर्शाती है कि इस स्कीम ने एमएसएमई के बीच गुणवत्ता, उत्पादकता, प्रतिस्पर्धात्मकता, सतत विकास तथा नवाचार को बढ़ावा देने में सकारात्मक योगदान दिया है। इस अध्ययन में आउटरीच, जागरूकता तथा अंतःक्षेप-उपरांत पथ-प्रदर्शन में और अधिक सुधार की आवश्यकता वाले क्षेत्रों की भी पहचान की गई।

(ग) एमएसएमई चैंपियंस स्कीम के शुभारंभ से लेकर अबतक विभिन्न घटकों के अंतर्गत हुई प्रगति का विवरण निम्नानुसार है:

स्कीम का नाम	स्कीम का घटक	संख्या
एमएसएमई सतत (जेड)प्रमाणन स्कीम	जेड प्रमाणन की संख्या	7,06,359
एमएसएमई प्रतिस्पर्धी (लीन) स्कीम	लीन प्रमाणन की संख्या	20,704
एमएसएमई नवाचारी स्कीम (इन्क्यूबेशन, डिज़ाइन एवं आईपीआर) स्कीम	स्वीकृत विचारों की संख्या	1,920
	स्वीकृत डिजाइन परियोजना की संख्या	94
	प्रतिपूर्ति की गई बौद्धिक संपदा (आईपी) की संख्या	3,673

(घ) और (ङ): मंत्रालय अपने फील्ड कार्यालयों और संबंधित कार्यान्वयन एजेंसियों के माध्यम से, जहां भी अपेक्षित हो, नियमित रूप से जागरुकता और आउटरीच कार्यक्रमों का आयोजन करता है।

(च): आईआईएम- सिरमौर से कराए गए तृतीय पक्ष मूल्यांकन के अनुसार, एमएसएमई चैपियंस स्कीम से लाभार्थी एमएसएमई की उत्पादकता, प्रतिस्पर्धात्मकता और गुणवत्ता मानकों में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। मूल्यांकन रिपोर्ट में लीन घटक के अंतर्गत, उत्पादन क्षमता, निर्यात क्षमता तथा प्रचालन दक्षता में सुधार, सामग्री की बर्बादी एवं हानियों में कमी, अंतरराष्ट्रीय गुणवत्ता मानकों के अनुपालन में वृद्धि तथा समग्र लागत में कमी की बात कही गई है। जेड घटक के अंतर्गत, एमएसएमई में उत्पाद गुणवत्ता अपेक्षाओं के प्रति जागरूकता बढ़ने, प्रदायगी कार्य-निष्पादन में सुधार और ग्राहक की शिकायतों में कमी को स्वीकार किया गया है। आईपीआर घटक के अंतर्गत, लाभार्थियों ने उन्नत ब्रांड पहचान और बाजार पहुंच के माध्यम से व्यापार कार्य-निष्पादन में सुधार के साथ बौद्धिक संपदा संरक्षण के माध्यम से अपने व्यापार में उल्लेखनीय मूल्यवर्धन की जानकारी प्रदान की है।

*****